इतिहास शिक्षण के मूल्य
(VALUES OF TEACHING HISTORY)

इतिहास-शिक्षण के उद्देश्यों एवं प्राप्य उद्देश्यों पर दृष्टिपात करने के उपरान्त यह जानना आवश्यक हो जाता है कि इतिहास-शिक्षण के मूल्य क्या हैं ? परन्तु इसके मूल्यों को देखने से पूर्व यह समझना आवश्यक है कि उद्देश्य एवं मूल्य में अन्तर क्या है ? इस अन्तर को नीचे स्पष्ट किया जा रहा है—

उद्देश्य एवं मूल्य में अन्तर (Difference between Aims and Values)

उद्देश्य एक चेतनशील तथा क्रियाशील अभिप्राय होता है जो कि सदैव हमारे समक्ष रहता है। इस उद्देश्य को प्राप्त करना हमारा मुख्य लक्ष्य होता है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने को लिए हम विभिन्न प्रकार के साधन जुटाते हैं। ये साधन वे मार्ग हैं जिनके द्वारा हम अपने उद्देश्य या विशिष्ट स्थान को प्राप्त करते हैं। इस प्राप्ति के मार्ग में उद्देश्य सदैव हमारे समक्ष बना रहता है। परन्तु मूल्य वह अनुभव या फल है

Scanned with CamScanner

जो कि हमें अपने उद्देश्य की प्राप्ति के मार्ग में प्राप्त होते हैं। उद्देश्य हमारा एक होता है, परन्तु उसकी प्राप्ति में हमें बहुत-से अनुभव प्राप्त हो सकते हैं। यह भी आवश्यक नहीं है कि हम सदैव अपने उद्देश्य को प्राप्त ही कर लें। कभी-कभी प्राप्ति नहीं भी हो पाती, परन्तु हमें उसकी प्राप्ति के मार्ग में बहुत-से अनुभव प्राप्त हो सकते हैं। इस प्रकार प्राप्त हुए अनुभव या फल मूल्यों की श्रेणी में रखे जाते हैं। प्रो. घाटे ने अपनी पुस्तक *'Teaching of History'* में इन दोनों शब्दों के अन्तर को एक सुन्दर उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया है। घाटे ने लिखा है कि कोलम्बस ने भारत पहुँचने के लिए एक नवीन मार्ग की खोज करना—अपना लक्ष्य निर्धारित किया था, परन्तु कोलम्बस अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सका और इस लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग में उसने अमरीका की खोज की। इस प्रकार कोलम्बस द्वारा 'अमरीका की खोज' मूल्य की श्रेणी के अन्तर्गत रखी जायेगी, लक्ष्य के अन्तर्गत नहीं।

संक्षेप में, इन दोनों के अन्तर को निम्न प्रकार स्पष्ट किया जा रहा है—

उद्देश्य	मूल्य
1. उद्देश्य स्वभावतः दार्शनिक एवं सैद्धान्तिक होते हैं।	1. मूल्य अपनी प्रकृति में व्यावहारिक एवं वास्तविक होते हैं।
2. उद्देश्य का निर्धारण विषय के अध्ययन या अध्यापन से पूर्व किया जाता है।	2. मूल्यों का ज्ञान अध्ययन एवं अध्यापन के बाद होता है।
3. उद्देश्य की प्राप्ति आवश्यक नहीं है।	3. मूल्य सदैव प्राप्त होते हैं।

इतिहास-शिक्षण के मूल्य (Values of Teaching History)—इतिहास-शिक्षण के मूल्य के बारे में एम. रॉलिन (M. Rallin) ने लिखा है—**"मैं बच्चों को सबसे पहले इतिहास पढ़ाने के पक्ष में हूँ, क्योंकि इसमें उन्हें ज्ञान प्राप्त होता है, मनोरंजन होता है, उनमें समझदारी पैदा होती है तथा उनकी भावनाओं का विकास होता है। साथ ही इतिहास उनके स्मृति पटल पर तथ्यों की बहुलता भी एकत्रित करता है जो उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।"**

इतिहास-शिक्षण के प्रमुख मूल्यों का विवेचन इस प्रकार है, यथा—

1. नैतिक मूल्य (Ethical Values)—पाठ्यक्रम में इतिहास को इस कारण बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान दिया जाता है कि वह नैतिकता की शिक्षा प्रदान करता है। इसके अध्ययन से बालक संतों, महात्माओं, सुधारकों, नेताओं तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों के बहुमूल्य विचारों के सम्पर्क में आता है। उनका जीवन छात्रों को उनकी भाँति उत्साही तथा सत्यनिष्ठ बनने के लिए प्रोत्साहन देता है। इसके अतिरिक्त बालक यह जान जाता है कि अन्त में सत्य की विजय होती है—चाहे सत्य-प्रेमी को जीवन में कितने ही कष्ट क्यों न उठाने पड़ें। असत्यता द्वारा पतन ही होता है, इससे भी बालक परिचित हो जाते हैं।